म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

भाषा और साक्षरता

बाल–साहित्य को जानना और उसका उपयोग

भारत में विद्यालय समर्थित
शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेवसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भो के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भो को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन (संकेत) दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण *2.0 LL08v1*
Madhya Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

भारत में मौखिक और लिखित साहित्य की एक समृद्ध विरासत है। बाल कहानियों और कविताओं के अच्छे ज्ञान के साथ, आप इस विरासत तथा हमारे देश की भाषाओं, इतिहास और संस्कृतियों के स्वामित्व का महत्व जानने और आनंद लेने में अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

इस इकाई में आप:

- बाल साहित्य के अपने ज्ञान की समीक्षा करेंगे और अपनी जानकारी को विस्तृत करने के लिए क़दम उठाएँगे
- बाल कथाओं की विशेषताओं पर ग़ौर करेंगे
- अपने विद्यार्थियों का साहित्य से परिचय करवाने के लिए कुछ सरल कक्षा गतिविधियों को क्रियान्वित करेंगे।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- आपके विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त रूप से साहित्य संबंधी अपने ज्ञान का परीक्षण और उसका विस्तार कैसे करें।
- उच्च गुणवत्ता वाले बाल साहित्य की विशेषताओं को कैसे पहचानें।
- कक्षा में कहानियों और कविता का उपयोग करने के लिए तकनीक।

यह तरीका क्यों महत्वपूर्ण है

कहानियाँ और कविताएँ बच्चों के ग्रहणशील और उत्पादक भाषा कौशल को विकसित करते हुए, उनके तत्काल अनुभव से परे बच्चों की दुनिया को समृद्ध बनाने के लिए एक विशाल स्रोत का प्रतिनिधित्व करती हैं। बचपन में कहानियाँ और कविताएँ सुनने का सकारात्मक अनुभव, स्वयं कहानियाँ और कविताएँ पढ़ने की इच्छा को उत्पन्न करेगा, जिससे उनके भाषाई विकास में योगदान होगा। यह इकाई आपको सुखद तरीक़ों से अपने विद्यार्थियों की भाषा और साक्षरता कौशल बढ़ाने के लिए कक्षा में पारंपरिक और आधुनिक कहानियों और कविताओं के अपने ज्ञान का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

1 आपके बाल साहित्य का परीक्षण और ज्ञान का विस्तार

आप बाल साहित्य के अपने स्वयं के ज्ञान का परीक्षण शुरू करेंगे।

गतिविधि 1: आपके बाल साहित्य ज्ञान का परीक्षण
आप संभवतः अपने विद्यार्थियों के लिए साहित्य का मुख्य स्रोत हो सकते हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आपको अपने विद्यार्थियों की उम्र और स्तर के अनुरूप ऐसी विविध कहानियों और कविताओं की जानकारी हो, जिन्हें आपने क़िताबों में पढ़ा था या अपने बचपन में सुनी थी और जिन्हें आप याद करके सुना सकें। यह परीक्षण कोई परीक्षा नहीं है। इसका उद्देश्य आपको बाल साहित्य के अपने ज्ञान के संबंध में अपने शुरुआती बिंदु की पहचान करने में मदद करना है। यथा संभव ईमानदारी के साथ उत्तर देने का प्रयास करें। आपको याद आने वाले किन्हीं उदाहरणों को नोट करें। साथ ही, अपने किसी साथी शिक्षक से उनके ज्ञान का परीक्षण करने के लिए कहें। अंत में उनके साथ अपने जवाब साझा करना दिलचस्प होगा। क्या आप स्मृति से सुना सकते हैं: • बच्चों के लिए कोई कविता? • बच्चों के लिए कोई तुकांत कविता? क्या आप स्मृति से सुना सकते हैं: • बच्चों के लिए कोई लोक कथा? • कोई छोटी ऐतिहासिक कथा? क्या आप बता सकते हैं: • किसी बाल कहानी या लोक कथा के किसी पात्र का नाम? • बच्चों की किसी कविता या तुकांत कविता के किसी पात्र का नाम?

क्या आप बता सकते हैं:

- बाल कथा पुस्तिका का नाम?
- बाल कविता पुस्तक का नाम?
- किसी भारतीय बाल लेखक का नाम?
- किसी भारतीय बाल कवि का नाम?

यदि संभव है, तो अपने किसी साथी शिक्षक के साथ अपने परीक्षण और अपने विचारों की तुलना करें।

विचार कीजिए

- क्या आप और आपके साथी शिक्षकों का बाल ग्रंथों और लेखकों के बारे में ज्ञान समान है या अलग? क्या कोई ऐसा ज्ञान है जिसे आप साझा कर सकते हैं?
- क्या आजकल बच्चों को आपके बचपन की कहानियाँ और कविताएँ सुनाई जा रही हैं?
- क्या आप अपनी कक्षा में इनमें से किसी कहानी या कविता का उपयोग करते हैं? क्यों या क्यों नहीं?

शायद आपने अपने बचपन में सुनी कुछ कहानियों और कविताओं को याद किया होगा। शायद आपको सदव्यवहर के संबंध में बच्चों के लिए कोई नैतिक संदेश या चेतावनी वाली लोक-कथा अथवा स्कूल के खेल के मैदान में सुनाई जाने वाली कोई तुकांत कविता याद हो। आपने शायद किसी क़िताब में कभी पढ़ें बिना - इन कहानियों या कविताओं को घर पर, समुदाय और स्कूल में सुन कर सीखा होगा। हो सकता है कि आप लोक कथाओं या कविताओं से अधिक परिचित हों, और आपके सहकर्मी गिजुभाई, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, हरिकृष्ण देवधर जैसे बाल लेखकों की कहानियों को याद कर सकते हों। हो सकता है, आजकल बच्चों द्वारा पढ़ी जाने वाली कहानियाँ यही हों या न हों। टेलीविज़न, कॉमिक सीरिज़ या स्थानीय किंवदंतियों से जानी गई ऐसी भी नई कहानियाँ हो सकती हैं, जिनमें बच्चों की रूचि हो। इन नई-पुरानी कहानियों को आपकी कक्षा में एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, ताकि पढ़ाते समय कहानियों का ख़जाना विकसित करने में वे उपयोगी हों।

गतिविधि 2: आपके बाल साहित्य संबंधी ज्ञान का विस्तार
अब अपने परीक्षण के निर्माण की योजना तैयार करें। अपने पढ़ने के लिए स्वयं एक लक्ष्य निर्धारित करें: • दो बाल लेखक, जिनसे आप परिचित नहीं • दो बाल कवि, जिनसे आप परिचित नहीं अपने साथी शिक्षकों के साथ अपने विचारों को साझा करें।

2 कक्षा में उपयोग के लिए साहित्य का चयन

अग्रलिखित केस स्टडी में, एक शिक्षिका पुस्तक मेले में जाती है और सोचती है कि वहाँ उपलब्ध सामग्री को अपनी कक्षा में भाषा तथा साक्षरता शिक्षण में किस प्रकार शामिल करें।

केस स्टडी 2: श्रीमती अपराजिता अपने विद्यार्थियों के साथ भारतीय बाल साहित्य की तलाश करती हैं

श्रीमती अपराजिता सतना में छठी कक्षा की शिक्षिका हैं वे कहती हैं–

मैं अपनी कक्षा में नई क़िताबें लाना चाहती थी। मुझे क़िताबें ख़रीदने के लिए अपने प्रधानाध्यापक/प्राचार्य श्री बादल मैं दिलचस्प पुस्तकों की खोज में अलीराज पुस्तक मेले में गई। मैं बच्चों के लिए कॉमिक्स से लेकर लंबे उपन्यासों तक, बेची जाने वाली पठन सामग्री के विशाल भंडार को देख कर पूरी तरह अभिभूत हो गई। कई विदेशों से थे। मुझे विभिन्न *ग्रिम्स फ़ेयरी टेल्स* की प्रतियों के बीच भारतीय कहानियों को वाक़ई खोजना पड़ा। मुझे लगता है कि बड़े पुस्तक प्रकाशक उन माता-पिता को लक्षित कर रहे थे, जिनके बच्चे अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूलों में पढ़ते हैं। आख़िरकार एक प्रेस की दुकान पर मुझे अपनी कक्षाओं के लिए उपयुक्त दिलचस्प बाल साहित्य मिला।

मैंने अपने विद्यार्थियों के आनंद के लिए ज़ोर से क़िताबें पढ़ना शुरू किया। बाद में, जब वे कहानियों से परिचित हो गए, तब मैंने पाठ पर आधारित साक्षरता विकास गतिविधियों की योजना बनाने की शुरुआत की। जब कोई कहानी या कविता उच्च गुणवत्ता की हो, तो उसके इर्द-

गिर्द गतिविधियों की योजना बनाना बेहद आसान है।

विचार कीजिए

- क्या आप श्रीमती अपराजिता से सहमत है कि हिन्दी में अच्छा बाल साहित्य खोजना सदा उतना आसान नहीं है?
- आपके स्कूल में क़िताबें ख़रीदने के लिए किस प्रकार के वित्तीय संसाधन उपलब्ध हैं? आप इन निधियों का किस प्रकार उत्तम उपयोग कर सकते हैं?

अगली गतिविधि में, आप उच्च गुणवत्ता वाले बाल साहित्य की विशेषताओं पर गंभीरता से विचार करेंगे।

गतिविधि 3: बाल साहित्य का मूल्यांकन
बाल साहित्य का क्षेत्र व्यापक है। अब आप दो उदाहरणों पर ग़ौर करेंगे: क़िताब *एन्युअल हेयरकट डे* (संसाधन 1) और कहानी 'युवती जिसने साँप से शादी की' (संसाधन 2). टीपः– शिक्षक पाठ~यपुस्तकों से कोई अन्य कहानी लिखित उदाहरण के रूप में उपयोग कर सकते है। दोनों पाठ अपने आप को या किसी साथी शिक्षक को ज़ोर से पढ़ कर सुनाएँ। जब आप पढ़ रहे हों, तब निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में ध्यान से सोचे: • दोनों कहानियों के बीच अंतर क्या हैं? • क्या आप किसी एक को दूसरे की तुलना में बेहतर मानते हैं? • प्रत्येक पाठ की सकारात्मक विशेषताओं के बारे में आप क्या सोचते हैं? फिर से *एन्युअल हेयरकट डे* को देखें और निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें: • कहानी 'कई साल पहल...' या 'एक समय की बात है ...' जैसे शब्दों के साथ शुरू क्यों नहीं होती, जैसा कि कई कहानियों में होता है? • क्या आपके विचार में चित्र ज़रूरी हैं? क्यों या क्यों नहीं? • आपके विचार में आपके विद्यार्थियों को कहानी के मामले में क्या पसंद आएगा? दूसरों के विचारों के साथ आपके विचारों की तुलना करें। *एन्युअल हेयरकट डे* एक छोटी, जीवंत चित्र-पुस्तिका है। चित्रों में ऐसे लोगों और स्थानों को दिखाया गया है, जो समकालीन और परिचित हैं। उनमें कई, जैसे कि नाई की दुकान और व्यस्त घर, में मनोरंजक विवरण शामिल हैं जो देखने तथा चर्चा के लिए दिलचस्प लगते हैं। जहाँ पाठ सरल और दोहराव वाला है, वहॉ बखूबी जटिल भाषा संरचनाओं का निर्माण करता है: उदास महसूस करते हुए, श्रृंगेरी श्रीनिवास घर वापस चला गया... थोड़ा नाराज़ महसूस करते हुए, श्रृंगेरी श्रीनिवास अपने दोस्त के पास गया... अब थोड़ा चिंतित होकर, श्रृंगेरी श्रीनिवास एक और दोस्त के पास गया... आँसू भरी आँखों के साथ, वह दूर चला गया...। *एन्युअल हेयरकट डे* जैसी पुस्तकें विशेष रूप से नए पाठकों को स्वतंत्र रूप से पढ़ना सीखने में मदद करने के लिए बनाई गई हैं। इनमें ध्यानपूर्वक चयनित परिचित शब्द और वाक्यांश शामिल हैं। विद्यार्थी पाठ का अर्थ समझने के लिए 'संकेत' के रूप में चित्रों का उपयोग कर सकते हैं। जब विद्यार्थी इस तरह की कहानियाँ सुनते या पढ़ते हैं, तो वे अन्य पुस्तकों में उन्हीं शब्दों और वाक्यांशों को पहचानना शुरू कर देंगे और अपने स्वयं की बातचीत और लेखन में इस ज्ञान को लागू करने लगेंगे। इस तरह की कहानियाँ छोटे बच्चों को बोलने और सुनने के लिए भी प्रोत्साहित करने के लिए उपयोगी होती हैं, जब वे तस्वीरों और कहानी में घटित होने वाले प्रसंगों के संबंध में सवालों का जवाब देने लगते हैं। इस तरह की कहानियाँ बच्चों के अनुकूल हैं क्योंकि वे एक ऐसी दुनिया प्रस्तुत करती हैं, जिसे युवा पाठक पहचान सकते हैं। इस प्रकार की

कहानियाँ सुनने और पढ़ने की संतुष्टि दूसरी क़िताबों में बच्चों की रूचि बढ़ाएगी।

इस तरह की कहानियों को सुनने या पढ़ने के बाद, विद्यार्थियों को निम्नलिखित गतिविधियों के लिए आमंत्रित किया जा सकता है:

- कहानी का विस्तार (उदाहरण के लिए, नए पात्र या पशुओं को जोड़ते हुए)करना।
- बदलते हुए रूप से अंत (शायद श्रृंगेरी श्रीनिवास को उसके बाल झड़ने के बाद विग पहनना पड़ा, क्योंकि अब उसकी खोपड़ी गंजी थी!)करना।
- अभिनय करना।
- कहानी के बारे में स्वयं के अनुभव कहना को कहना या लिखना।
- एक ऐसी ही कहानी तैयार करें (उदाहरण के लिए, एक मगरमच्छ, जिसका 'वार्षिक दंतमंजन दिवस' था, जिसमें 'आज मेरे पास इतने सारे दांत ब्रश करने के लिए समय नहीं है!' वाक्यांश का बार-बार उपयोग करते हुए)।

अब संसाधन 2 पढ़ें, 'युवती, जिसने साँप से शादी की' पढ़ें।

- यह कहानी *एन्युअल हेयरकट डे* से किस प्रकार अलग है?
- आपके विचार में इस कहानी में चित्र क्यों आवश्यक नहीं हैं?
- क्या आप स्मृति से अपने विद्यार्थियों को यह कहानी फिर से सुना सकते हैं?
- क्या कहानी में ऐसे स्थल है, जहाँ आप कठिन शब्दों को आसान शब्दों से बदलना चाहेंगे?,
- क्या कहानी को गाने, संवाद या अतिरिक्त पात्रों के साथ विस्तृत किया या सुधारा जा सकता है?
- क्या आपके विचार में इस कहानी के अभिनय में आपके विद्यार्थियों को मज़ा आएगा?

'युवती, जिसने साँप से शादी की' पंचतंत्र की एक पारंपरिक कहानी है, जिसकी शुरुआत सभी पारंपरिक कहानियों के परिचय की भाँति 'एक समय की बात है...' वाक्यांश से होता है - और जो कि यह संकेत है कि कहानी शुरू होने वाली है। यह रूपांतरण की एक जादुई कहानी है। इसे किसी विशेष समय या स्थान में सेट नहीं किया गया है, लेकिन यह हमारी समकालीन दुनिया की तरह महसूस नहीं होता है।

यह बहुत गंभीर, भावनात्मक कहानी है। यह थोड़ी अजीब और परेशान करने वाली महसूस हो सकती है।

एन्युअल हेयरकट डे से भिन्न, इस कहानी का लेखन सरल नहीं है, और न ही संवाद रोज़मर्रा की भाषा में है।

जब विद्यार्थी इस कहानी को सुनते हैं, तो वे ऐसे जटिल वाक्य और शब्दावली का सामना करते हैं, जिसे वे अपने बलबूते नहीं पढ़ पाते। वे एक पारंपरिक कहानी के माध्यम से भाषा के बारे में जानते हैं, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक हिस्सा है।

उसे सुनने के बाद, विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं:

- कहानी को पुनः सुनाना
- कहानी को अपने शब्दों में सुनाना
- कहानी अभिनीत करना
- पात्रों के बीच संवाद को सुधारना
- दृश्यों को चित्रित करना या रंग भरना
- एक 'पूर्व कड़ी' तैयार करना (वह अभिशाप क्या था जिसने बेटे को साँप बना दिया?)
- कहानी विस्तृत करना (युवती और बेटे का आगे क्या होता है? क्या उनके बच्चे साँप होते हैं?)
- स्कूल या समुदाय के लिए कहानी प्रदर्शित करना।

विचार कीजिए

- इन दो कहानियों से संबंधित प्रश्नों को पढ़ने और उस पर विचार करने के बाद, क्या आप भाषा शिक्षण और साक्षरता के लिए प्रत्येक कहानी के लाभ देख सकते हैं?

कोई कहानी स्कूल की पाठ्यपुस्तक से नहीं है। दोनों दिलचस्प स्थितियाँ और भाषा को प्रस्तुत करती है जिस पर विचार-विमर्श किया जा सकता है। दोनों पाठों को विस्तृत और अनुकूलित, तथा भाषा और साक्षरता गतिविधियों की श्रृंखला के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

संसाधन 3 इस विषय में मार्गदर्शन देता है कि बच्चों के लिए उपयोगी साहित्य का चयन करते समय क्या देखना चाहिए। अब संसाधन 3 पढ़े और अपनी कक्षा में साहित्य संसाधनों के बारे में विचार करें।

3 कक्षा में कविताएँ और कहानियों का उपयोग

अगली गतिविधि में आप कविता की भाषा पर विचार करेंगे।

गतिविधि 4: कविता की सराहना करना
इस छोटी कविता को अपने लिए ज़ोर से पढ़ें, या अपने साथी शिक्षक को ज़ोर से पढ़ कर सुनाएँ। **'When Day Is Done' by** रवींद्रनाथ ठाकुर की कविता If the day is done if birds sing no more if the wind has flagged tired then draw the veil of darkness thick upon me even as thou hast wrapt the earth with the coverlet of sleep and tenderly closed the petals of the drooping lotus at dusk. अब इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: • क्या यह कविता आपको खुश या दुःखी महसूस कराती है? ऐसा क्यों है? • यह आपको क्या सोचने पर बाध्य करता है? • क्या आपके विचार में बहुत छोटे बच्चे इसे समझ पाएँगे? क्यों या क्यों नहीं? • आप 'a thick veil of darkness', 'a coverlet of sleep that wraps the earth' और 'drooping petals' वाक्यांशों की कैसे व्याख्या करेंगे? आप अपने विद्यार्थियों को इसे कैसे समझाएँगे? अपने साथी शिक्षक से इन वाक्यांशों की व्याख्या साझा करें। क्या आप या आपके विद्यार्थी इन काव्य छवियों का चित्र उतार सकते हैं या शारीरिक रूप से अभिनय कर सकतें हैं ?

विचार कीजिए

बहुत कम उम्र वाले बच्चे भी सुनाने पर कविता समझ सकते हैं। वे हर शब्द नहीं समझ सकेंगे, लेकिन वे भाषा की ध्वनि और लय के प्रति लगाव पैदा करना सीख सकते हैं। वे जिन शब्दों और वाक्यांशों को स्वयं पढ़ नहीं पाते, उन्हें भी समझना शुरू कर देंगे।

- कक्षा में आपने किन कविताओं को इस्तेमाल किया है?
- आप किनका उपयोग कर सकते हैं?

उच्च गुणवत्ता वाले साहित्य को सुनना विद्यार्थियों को लिखित शब्दों को स्वयं पढ़ने के लिए तैयार करता है। इस इकाई में अंतिम गतिविधियाँ आपको अपने विद्यार्थियों का साहित्य से परिचय करवाने में मार्गदर्शन करती हैं।

स्कूल में दिन भर ऐसे कई पल मिलेंगे, जब आप समग्र समय-सारणी पर बिना कोई प्रभाव डाले एक छोटी कहानी या कविता पढ़ कर सुना सकते हैं।

शुरुआत के लिए, इन श्रवण गतिविधियों के साथ किसी भाषा या लेखन संबंधी कार्य को न जोड़ें। उन्हें विद्यार्थियों के साथ परस्पर बातचीत के सुखद अवसर बने रहने दें।

गतिविधि 5: आपकी कक्षा को कविता पढ़ कर सुनाना।
1. कोई ऐसी छोटी कविता चुनें जिसे आप अच्छी तरह जानते हैं। उसे याद करें और घर पर या साथी शिक्षकों के साथ सुनाने का अभ्यास करें। 2. विद्यार्थियों को सुनाने के लिए उपयुक्त समय का चयन करें। यह स्कूल के दिन की शुरुआत, भोजन से पहले या बाद में, या दिन के अंत

में हो सकता है। श्यामपट पर कविता का शीर्षक लिखें।

3. जब आप कविता सुनाएँ तब विद्यार्थियों के साथ नेत्र संपर्क रखें। आपको कुछ शब्दों को समझाने या श्यामपट पर लिखने की ज़रूरत पड़ सकती है।
4. उसी सप्ताह में, या अगले सप्ताह कविता दोहराएँ, ताकि विद्यार्थी उसे समझने लगें।
5. आपके साथ विद्यार्थियों को भी दोहराने के लिए कहें, संभवतः संकेत या अभिनय के साथ।
6. संभव हो तो जोड़े या समूहों में, किसी अन्य दिन अपने साथ दोहराने के लिए उन्हें आमंत्रित करें। इन अवसरों का उपयोग उनकी समझ और भाषा संबंधी आत्मविश्वास का निरीक्षण करने के लिए करें।

गतिविधि 6: अपनी कक्षा में ज़ोर से पढ़ कर सुनाना

किसी क़िताब से एक उच्च गुणवत्ता वाली बच्चों की कहानी चुनें। घर पर या सहकर्मियों के साथ ज़ोर से पढ़ते हुए, कहानी को अच्छी तरह जानें।

अपने विद्यार्थियों का पुस्तक से परिचय करवाएँ। कक्षा में या किसी पेड़ के नीचे उन्हें अपने इर्द-गिर्द आधा गोल घेरा बना कर बैठने के लिए कहें।

अपने विद्यार्थियों को पुस्तक का आवरण दिखाएँ। उनसे पूछें कि उनके विचार में वह किस विषय से संबंधित हो सकता है। यदि आवरण पृष्ठ पर जंगल नज़र आता हो, तो पूछें कि क्या कक्षा में किसी ने कभी कोई जंगल देखा है और वह कैसा था। यदि वह बारिश के बारे में हो, तो अपने विद्यार्थियों से पूछें कि वे बारिश को पसंद करते हैं या नहीं, और क्यों। शीर्षक पढ़ें और अनुमान लगाने के लिए कहें कि पुस्तक किस विषय से संबंधित हो सकता है।

पुस्तक प्रदर्शित करें ताकि हर कोई शब्दों और चित्र को देख सकें। छोटे विद्यार्थियों के साथ आप पढ़ते समय अपनी उँगली से शब्दों का अनुसरण कर सकते हैं।

कहानी को धीमे और अभिव्यक्ति के साथ पढ़ें, और जब चित्रों से सामना हो, तो उसकी ओर सबका ध्यान आकर्षित करें।

जब आपका पढ़ना ख़त्म हो, तब अपने विद्यार्थियों से ये प्रश्न करें:

- इस कहानी के संबंध में आपको क्या पसंद आया?
- क्या ऐसी कोई चीज़ थी जो आपको पसंद नहीं आई हो?
- क्या इसमें आपको हैरान करने वाली कोई बात थी? वह क्या था?

उसी सप्ताह, या अगले सप्ताह कहानी को दुबारा पढ़ें, ताकि आपके विद्यार्थी उसे समझने लगें।

आपके विद्यार्थियों को संभवतः जोड़े या समूहों में कहानी को दुबारा सुनाने के लिए कहें। ग़ौर करें कि कौन-से विद्यार्थी कहानी याद कर पा रहे हैं, और कौन-से विद्यार्थी उसे विस्तृत या परिवर्तित कर पा रहे हैं। ध्यान से देखें कि कौन-से विद्यार्थी दिलचस्पी दिखा और समझ रहे हैं और कौन-से विद्यार्थी उदासीन या उलझन में नज़र आ रहे हैं।

आपके विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं से अगली बार उन्हें पढ़ कर सुनाने वाले विषय का चयन करें।

संसाधन 4 में आपकी कक्षा में कहानी सुनाने के प्रयोग पर कुछ और सुझाव शामिल हैं।

वीडियो: कहानी सुनाना, गाने, रोल प्ले और नाटक

विचार कीजिए

- ऊपर उल्लिखित कविता पाठ और कहानी पठन गतिविधियों का अनुभव किस प्रकार रहा?
- उनमें से प्रत्येक के लिए आपके विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया किस प्रकार की रही?

यदि आपने अपने विद्यार्थियों को कभी कविता पाठ या कहानी पढ़ कर नहीं सुनाया हो, तो पहली बार आप असहज हो सकते है। लेकिन जब आप नियमित रूप से इसे अपने शिक्षण में शामिल करने लगेंगे तो आप तथा आपके विद्यार्थी, दोनों इन गतिविधियों के अभ्यस्त हो जाएँगे और आपके विद्यार्थी उनकी राह देखने लगेंगे और संभवतः स्वयं कविता या कहानी पढ़ते हुए उसका आनंद उठाने लगेंगे।

4 सारांश

इस इकाई में, आपने बच्चों के साहित्य के प्रति अपने ज्ञान का परीक्षण किया और अच्छी गुणवत्ता वाली बाल कहानियों की विशेषताओं पर विचार किया। आपने अपने पाठों में कविता पाठ तथा कहानी सुनाने के अधिक अवसरों को शामिल करने के बारे में भी विचार किया। जब आप अपने शिक्षण में इस तरह की गतिविधियों को नियमित रूप से शामिल करेंगे, तब विद्यार्थी उनकी अपेक्षा करेंगे और स्वयं आनंद लेने लगेंगे, और यह उन्हें स्वयं कहानियाँ और कविताएँ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे उनके साक्षरता विकास में योगदान होगा।

संसाधन

संसाधन 1: *एन्युअल हेयरकट डे*

संसाधन **2:** 'युवती जिसने साँप से शादी की'

एक समय की बात है, जब गाँव में एक ब्राह्मण अपनी पत्नी के साथ रहता था। दोनों बच्चे न होने के कारण दुःखी थे। हर दिन, वे इसी उम्मीद में प्रार्थना करते थे कि एक न एक दिन उनके घर बच्चा जन्म लेगा। अंततः उनको संतान का सुख प्राप्त हुआ। ब्राह्मण की पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया, लेकिन बच्चा साँप में परिवर्तित हो गया। हर कोई भयभीत था और उन्हें लोगों ने जितनी जल्दी हो सके, साँप से छुटकारा पाने की सलाह दी।

ब्राह्मण की पत्नी अटल रही और उसने किसी की बात नहीं मानी। वह बेटे के रूप में साँप को प्यार करती रही और इस बात की परवाह नहीं की कि उसका शिशु एक साँप है। उसने बड़े प्यार से साँप का पालन-पोषण किया। उसने यथा संभव उसे सबसे अच्छा भोजन खिलाया। उसने साँप के सोने के लिए एक डिब्बे में आरामदायक बिस्तर तैयार किया। साँप बड़ा हुआ और उसकी माँ उसे और भी ज्यादा चाहने लगी। एक अवसर पर, उनके पड़ोस में एक विवाह समारोह संपन्न हो रहा था। ब्राह्मण की पत्नी ने अपने बेटे के विवाह के बारे में सोचना शुरू कर दिया लेकिन एक साँप से कौन-सी लड़की शादी करना चाहेगी?

एक दिन, जब ब्राह्मण घर लौटा, तो उसने अपनी पत्नी को रोते हुए पाया। उसने पत्नी से पूछा, 'क्या हुआ? तुम क्यों रो रही हो?' उसने जवाब नहीं दिया और अपना रोना जारी रखा। ब्राह्मण ने फिर से पूछा 'बताओ, तुम्हारे दुःख का क्या कारण है?' आख़िरकार उसने कहा, 'मैं जानती हूँ आप मेरे बेटे को नहीं चाहते हैं। आप हमारे बेटे में कोई रूचि नहीं ले रहे हैं। वह बड़ा हो गया है। आप उसके लिए दुल्हन लाने की बात भी नहीं सोचते हैं।' ब्राह्मण ऐसे शब्द सुन कर चौंक गया। उसने जवाब में कहा, 'हमारे बेटे के लिए दुल्हन? क्या तुम्हें लगता है कि कोई लड़की एक साँप से शादी करेगी?'

ब्राह्मण की पत्नी ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन उसने अपना रोना जारी रखा। पत्नी को इस तरह रोते हुए देखकर ब्राह्मण ने अपने बेटे के लिए बहू की तलाश में बाहर जाने का फ़ैसला किया। उसने कई जगह की यात्रा की, लेकिन ऐसी कोई लड़की नहीं मिली, जो साँप से शादी के लिए तैयार हो जाए। अंत में, वह एक ऐसे बड़े शहर में पहुँचा, जहाँ उसका एक दोस्त रहता था। चूँकि लंबे समय से ब्राह्मण की उससे मुलाक़ात नहीं हुई थी, उसने अपने दोस्त से मिलने का फ़ैसला किया।

दोनों दोस्त एक दूसरे से मिल कर बेहद खुश हुए और साथ में अच्छा समय बिताया। बातचीत के दौरान, मित्र ने ब्राह्मण से पूछा कि वह देश भर की यात्रा क्यों कर रहा है। ब्राह्मण ने कहा, 'मैं अपने बेटे के लिए दुल्हन की तलाश कर रहा हूँ।' मित्र ने उन्हें और आगे जाने से मना किया और अपनी बेटी का हाथ देने का वादा किया। ब्राह्मण चिंतित हुआ और कहा, 'मेरे विचार में यह बेहतर होगा कि इस मामले में कोई निर्णय लेने से पहले तुम मेरे बेटे को देख लो।'

उनके मित्र ने यह कहते हुए मना किया कि वह उसे और उसके परिवार को जानता है, इसलिए ज़रूरी नहीं कि वह लड़के को देखे। उसने अपनी बेटी को ब्राह्मण के साथ भेजा ताकि वह उनके बेटे से विवाह कर सके। ब्राह्मण की पत्नी यह जान कर खुश हुई और उसने तेज़ी से विवाह की तैयारी करना शुरू कर दिया। जब गाँव वालों को इस बात का पता चला, तो वे युवती के पास गए और उसे साँप से शादी न करने के लिए समझाया। युवती ने उनकी बात सुनने से इनकार किया और ज़ोर देकर कहा कि वह अपने पिता के वचन को निभाना चाहती है।

तदनुसार, साँप और युवती की शादी संपन्न हुई। युवती ने अपने पति साँप के साथ रहना शुरू कर दिया। वह एक समर्पित पत्नी थी और वह एक अच्छी पत्नी की तरह साँप की देखभाल करने लगी। रात को साँप अपने डिब्बे में सोता था। एक रात, जब लड़की सोने जा रही थी, तो उसने अपने कमरे में एक खूबसूरत नौजवान को देखा। वह डर गई और मदद के लिए दौड़ने ही वाली थी। नौजवान युवक ने उसे रोका और कहा, 'डरो मत। क्या तुमने मुझे पहचाना नहीं? मैं तुम्हारा पति हूँ।'

युवती ने उसकी बात पर विश्वास नहीं किया। युवक ने साँप के शरीर में प्रवेश करके खुद की सच्चाई साबित की और फिर दुबारा नौजवान का रूप धारण किया। युवती मानव रूप में अपने पति को पाकर बेहद खुश हुई। उस रात के बाद से, हर रात वह नौजवान साँप के शरीर से बाहर निकलने लगा। वह भोर तक अपनी पत्नी के साथ रहता और सुबह होते ही वापस साँप का रूप धारण कर लेता था।

एक रात, ब्राह्मण ने अपनी बहू के कमरे से आवाज़ें सुनीं। उसने उन पर नज़र रखी और साँप को एक नौजवान में बदलते हुए देखा। वह कमरे में पहुँचा और साँप की त्वचा को आग में झोंक दिया। नौजवान ने कहा, 'प्रिय पिताजी, बहुत-बहुत धन्यवाद। एक शाप के कारण मुझे तब तक साँप बने रहना पड़ा, जब तक कि मुझसे पूछे बिना कोई साँप के शरीर को नष्ट नहीं कर देता। आज आपने यह काम कर दिया। अब मैं उस शाप से मुक्त हो गया हूँ।' इस प्रकार, वह युवक दुबारा साँप नहीं बना और अपनी पत्नी के साथ सुखी जीवन व्यतीत करने लगा।

संसाधन **3:** कक्षा के लिए बाल साहित्य का चयन

विद्यार्थियों को विविध विषयों पर कहानियों और कविताओं में संलग्न करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

1. बच्चों की पुस्तकें और कहानियाँ उन्हें निम्नलिखित दक्षताओं को प्राप्त करने में सहायता करती है:
    - अक्षरों, परिचित शब्दों और वाक्यांशों की पहचान करना सीखना
    - पूर्वानुमान लगाने और शब्दों की व्याख्या करने के लिए चित्रों का उपयोग सीखना
    - ऐसे शब्द और वाक्य शैली सीखना, जो वे अन्य पठन में लागू कर सकें
    - पाठकों के रूप में आत्म विश्वास हासिल करना।

    छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त पाठों का चयन करने के लिए आपको निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए:

    - घर या सामुदायिक गतिविधियों जैसी परिचित स्थितियाँ
    - संख्या, सप्ताह के दिन, मौसम या दिनचर्या जैसे पैटर्न और दृश्य
    - रूपांतरण के साथ, दोहराव वाले शब्द और वाक्यांश
    - शब्दों और चित्रों के बीच एक दृढ़ संबंध
    - दिलचस्प छवियाँ (फ़ोटोग्राफ़, चित्र या आरेख), जिनके बारे में विद्यार्थी परस्पर बात कर सकें
    - विद्यार्थियों की दिलचस्पी को बनाए रखने और उन्हें स्वयं पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु छोटे पाठों का चयन।

2. बड़े बच्चों के लिए पुस्तकें और कविताएँ उन्हें निम्नलिखित कौशलों के विकास में मदद कर सकती हैं:
   - उच्च स्तरीय शब्दावली और वाक्यांशों का प्रयोग सीखना
   - कहानियों और पठन शक्ति का महत्व समझना
   - उनके इतिहास और परंपराओं के बारे में जानना
   - दुविधाओं और समस्याओं के बारे में समझ विकसित करना।

   बड़े बच्चों के लिए उपयुक्त पाठ का चयन करते समय आपको निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना होगा:

   - रोमांचक आख्यान और रोचक पात्र
   - नाटकीयता, संघर्ष और संकल्प, यात्रा या परिवर्तन
   - हास्य या दिलचस्प संवाद
   - बच्चों को सोचने का मौक़ा
   - महत्वपूर्ण संदेश।

संसाधन 4: कहानी सुनाना, गाने, रोल प्ले और नाटक

विद्यार्थी उस समय सबसे अच्छे ढंग से सीखते हैं जब वे शिक्षण के अनुभव से सक्रिय रूप से जुड़े होते हैं। दूसरों के साथ परस्पर संवाद और अपने विचारों को साझा करने से आपके विद्यार्थी अपनी समझ की गहराई बढ़ा सकते हैं। कथावाचन, गीत, भूमिका अदा करना और नाटक कुछ ऐसी विधियाँ हैं, जिनका उपयोग पाठ्यक्रम के कई क्षेत्रों में किया जा सकता है, जिनमें गणित और विज्ञान भी शामिल हैं।

कथावाचन

कहानियाँ हमारे जीवन को अर्थपूर्ण बनाने में मदद करती हैं। कई पारम्परिक कहानियाँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही हैं। जब हम छोटे थे तब वे हमें सुनाई गई थीं और हम जिस समाज में पैदा हुए हैं, उसके कुछ नियम व मान्यताएँ समझाती हैं।

कहानियाँ कक्षा में बहुत सशक्त माध्यम होती हैं: वे:

- मनोरंजक, उत्तेजक व प्रेरणादायक हो सकती हैं
- हमें प्रतिदिन के जीवन से कल्पना की दुनिया में ले जाती हैं
- चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं
- नए विचार सीखने की प्रेरणा दे सकती हैं
- भावनाओं को समझने में मदद कर सकती हैं
- समस्याओं के बारे में वास्तविकता से अलग और इस कारण कम हानिकारक संदर्भ में सोचने में मदद कर सकती हैं।

जब आप कहानियाँ सुनाते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप उनकी आँखों में देखें। यदि आप विभिन्न पात्रों के लिए भिन्न स्वरों का उपयोग करते हैं और उदाहरण के लिए उपयुक्त समय पर अपनी आवाज़ की तीव्रता और सुर को बदलकर फुसफुसाते या चिल्लाते हैं, तो उन्हें आनन्द आएगा। कहानी की प्रमुख घटनाओं का अभ्यास कीजिए ताकि आप इसे पुस्तक के बिना स्वयं अपने शब्दों में मौखिक रूप से सुना सकें। कक्षा में कहानी को मूर्त रूप देने के लिए आप वस्तुओं या कपड़ों जैसी सामग्री भी ला सकते हैं। जब आप कोई नई कहानी सुनाएँ, तो उसका उद्देश्य समझाना न भूलें और विद्यार्थियों को इस बारे में बताएँ कि वे क्या सीख सकते हैं। आपको प्रमुख शब्दावली उन्हें बतानी होगी व कहानी की मूलभूत संकल्पनाओं को बारे में उन्हें जागरूक रखना होगा। आप कोई पारंपरिक कहानी कहने वाला भी विद्यालय में ला सकते हैं, लेकिन सुनिश्चित करें कि जो सीखा जाना है, वह कहानी कहने वाले व विद्यार्थियों, दोनों को स्पष्ट हो।

कहानी सुनाना सुनने के अलावा भी विद्यार्थियों की कई गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकता है। विद्यार्थियों से कहानी में आए सभी रंगों के नाम लिखने, चित्र बनाने, प्रमुख घटनाएँ याद करने, संवाद बनाने या अंत को बदलने को कहा जा सकता है। उन्हें समूहों में विभाजित करके चित्र या सामग्री देकर कहानी को किसी और परिप्रेक्ष्य में कहने को कहा जा सकता है। किसी कहानी का विश्लेषण करके, विद्यार्थियों से कल्पना में से तथ्य को अलग करने, किसी अद्भुत घटना के वैज्ञानिक स्पष्टीकरण पर चर्चा करने या गणित के प्रश्नों को हल करने को कहा जा सकता है।

विद्यार्थियों से खुद अपनी कहानी बनाने को कहना बहुत सशक्त उपाय है। यदि आप उन्हें काम करने के लिए कहानी का कोई ढाँचा, सामग्री व भाषा देंगे, तो विद्यार्थी गणित व विज्ञान के जटिल विचारों पर भी खुद अपनी बनाई कहानियाँ कह सकते हैं। वास्तव में, वे अपनी कहानियों की उपमाओं के द्वारा विचारों से खेलते हैं, अर्थ का अन्वेषण करते हैं और कल्पना को समझने योग्य बनाते हैं।

गीत

कक्षा में गीत और संगीत के उपयोग से अलग अलग विद्यार्थियों को योगदान करने, सफल होने और उन्नति करने का अवसर मिल सकता है। एक

साथ मिलकर गाने से जुड़ाव बनता है और इससे सभी विद्यार्थी खुद को इसमें शामिल महसूस करते हैं क्योंकि यहाँ ध्यान किसी एक व्यक्ति के प्रदर्शन पर केंद्रित नहीं होता। गीतों के सुर और लय के कारण उन्हें याद रखना सरल होता है और इससे भाषा व बोलने से विकास में मदद मिलती है।

संभव है कि आप खुद एक अच्छे गायक न हों, लेकिन निश्चित रूप से आपकी कक्षा में कुछ अच्छे गायक होंगे, जिन्हें आप अपनी मदद के लिए बुला सकते हैं। आप गीत को जीवंत बनाने और संदेश व्यक्त करने में सहायता के लिए गतिविधि और हावभाव का उपयोग कर सकते हैं। आप उन गीतों का उपयोग कर सकते हैं, जो आपको मालूम हैं और अपने उद्देश्य के अनुसार उनके शब्दों में बदलाव कर सकते हैं। गीत जानकारी को याद करने और याद रखने का भी एक उपयोगी तरीका हैं – यहाँ तक कि सूत्रों और सूक्तियों को भी एक गीत या कविता के रूप में रखा जा सकता है। आपके विद्यार्थी रिवीजन (दोहराने) के उद्देश्य से गीत या भजन बनाने योग्य सृजनात्मक भी हो सकते हैं।

भूमिका अभिनय (रोल प्ले)

भूमिका अभिनय (रोल प्ले) गतिविधि वह होती है, जिसमें विद्यार्थी कोई भूमिका निभाते हैं और किसी छोटे परिदृश्य के दौरान, वे उस भूमिका में बोलते और अभिनय करते हैं, तथा वे जिस पात्र की भूमिका निभा रहे हैं, उसके व्यवहार और उद्देश्यों को अपना लेते हैं। इसके लिए कोई स्क्रिप्ट नहीं दी जाती, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थियों को शिक्षक द्वारा पर्याप्त जानकारी दी जाए, ताकि वे उस भूमिका को समझ सकें। भूमिका निभाने वाले विद्यार्थियों को अपने विचारों और भावनाओं की त्वरित अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

भूमिका निभाने के कई लाभ हैं क्योंकि:

- इसमें वास्तविक जीवन की स्थितियों पर विचारकर अन्य लोगों की भावनाओं के प्रति समझ विकसित की जाती है।
- इससे निर्णय लेने का कौशल विकसित होता है।
- यह विद्यार्थियों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करती है और सभी विद्यार्थियों को योगदान करने का अवसर मिलता है।
- यह विचारों के उच्चतर स्तर को प्रोत्साहित करती है।

भूमिका निभाने से छोटे विद्यार्थियों को अलग अलग सामाजिक स्थितियों में बात करने का आत्मविश्वास विकसित करने में मदद मिल सकती है, उदाहरण के लिए,किसी स्टोर में खरीददारी करने, किसी स्थानीय स्मारक पर पर्यटकों को रास्ता दिखाने या एक टिकट खरीदने का अभिनय करना। आप कुछ वस्तुओं और चिह्नों के द्वारा सरल दृश्य तैयार कर सकते हैं, जैसे 'चाय की दुकान,' 'डाक्टर का क्लिनिक' या पूछताछ खिड़की'। अपने विद्यार्थियों से पूछें, 'यहाँ कौन काम करता है?', 'वे क्या कहते हैं?' और 'हम उनसे क्या पूछते हैं?' और उन्हें इन क्षेत्रों की भूमिकाओं में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें, तथा उनकी भाषा के उपयोग का अवलोकन करें।

नाटक करने से पुराने विद्यार्थियों के जीवन के कौशलों का विकास हो सकता है। उदाहरण के लिए, कक्षा में हो सकता है कि आप इस बात का पता लगा रहे हों कि टकराव को किस प्रकार से खत्म किया जाए। इसके बजाय अपने विद्यालय या समुदाय से कोई वास्तविक घटना लें, आप इसी तरह के, लेकिन इससे भिन्न, किसी परिदृश्य का वर्णन कर सकते हैं, जिसमें यही समस्या उजागर होती हो। विद्यार्थियों को भूमिकाएँ आवंटित करें या उन्हें अपनी भूमिकाएँ खुद चुनने को कहें। आप उन्हें योजना बनाने का समय दे सकते हैं या उनसे तुरंत भूमिका अदा करने को कह सकते हैं। भूमिका अदा करने की प्रस्तुति पूरी कक्षा को दी जा सकती है या विद्यार्थी छोटे समूहों में भी कार्य कर सकते हैं, ताकि किसी एक समूह पर ध्यान केंद्रित न रहे। ध्यान दें कि इस गतिविधि का उद्देश्य भूमिका निभाने का अनुभव लेना और इसका अर्थ समझाना है; आप उत्कृष्ट अभिनय प्रदर्शन या बॉलीवुड के अभिनय पुरस्कारों के लिए अभिनेता नहीं ढूँढ रहे हैं।

भूमिका अदा करने का उपयोग विज्ञान और गणित में भी करना संभव है। विद्यार्थी अणुओं के व्यवहार की नकल कर सकते हैं, और एक-दूसरे से संपर्क के दौरान कणों की विशेषताओं का वर्णन कर सकते हैं या उनके व्यवहार को बदलकर ऊष्मा या प्रकाश के प्रभाव को दर्शा सकते हैं। गणित में, विद्यार्थी कोणों या आकृतियों की भूमिका निभाकर उनके गुणों और संयोजनों को खोज सकते हैं।

नाटक

कक्षा में नाटक का उपयोग अधिकतर विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए एक अच्छी रणनीति है। नाटक कौशलों और आत्मविश्वास का निर्माण करता है, और उसका उपयोग विषय के बारे में आपके विद्यार्थियों की समझ का आकलन करने के लिए भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यह दिखाने के लिए कि संदेश किस प्रकार से मस्तिष्क से कानों, आंखों, नाक, हाथों और मुंह तक जाते हैं और वहां से फिर वापस आते हैं, टेलीफोनों का उपयोग करके मस्तिष्क किस प्रकार काम करता है इसके बारे में अपनी समझ पर एक नाटक किया गया। या संख्याओं को घटाने के तरीके को भूल जाने के भयानक परिणामों पर एक लघु, मज़ेदार नाटक युवा विद्यार्थियों के मन में सही पद्धतियों को स्थापित कर सकता है।

नाटक प्रायः शेष कक्षा, स्कूल के लिए या अभिभावकों और स्थानीय समुदाय के लिए अभिनय की ओर विकसित होता है। यह लक्ष्य विद्यार्थियों को कोई चीज प्रदान करेगा, जिसकी दिशा में वे काम करेंगे और उन्हें प्रेरित करेगा। नाटक तैयार करने की रचनात्मक प्रक्रिया से समूची कक्षा को जोड़ा जाना चाहिए। यह जरूरी है कि आत्मविश्वास के स्तरों के अंतरों को ध्यान में रखा जाये। हर एक व्यक्ति का अभिनेता होना जरूरी नहीं है; विद्यार्थी अन्य तरीकों से योगदान कर सकते हैं (संयोजन करना, वेशभूषा, सूत्रधार, मंच पर मददगार) जो उनकी प्रतिभाओं और व्यक्तित्व से अधिक नजदीकी से संबद्ध हो सकते हैं।

यह विचार करना आवश्यक है कि अपने विद्यार्थियों के सीखने में मदद करने के लिए आप नाटक का उपयोग क्यों कर रहे हैं। क्या यह भाषा विकसित करने (उदा. प्रश्न करना और उत्तर देना), विषय के ज्ञान (उदा. खनन का पर्यावरणात्मक प्रभाव), या विशिष्ट कौशलों (उदा. टीम वर्क) का निर्माण करने के लिए है? सावधानी बरतें कि नाटक का सीखने का प्रयोजन अभिनय के लक्ष्य में खो न जाय।

अतिरिक्त संसाधन

- There are a number of fiction and non-fiction books for children in the NCERT catalogue, in both Hindi and English, which may be used in activities similar to those described in this unit: http://www.ncert.nic.in/publication/children_books/children_books.html
- A list of children's literature recommended by the Department of Elementary Education in both Hindi and English can be found here on their website: http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/Print_Material.html
- Other organisations producing literature for children include Room to Read India (http://www.roomtoread.org/Page.aspx?pid=304) and Pratham Books (http://www.prathamusa.org/programs/library, http://blog.prathambooks.org/2010/10/childrens-literature-from-india-and.html)
- Traditional Indian stories: http://www.indiaparenting.com/stories/index.shtml#77
- Indian fables: http://excellup.com/kidsImage/panchtantra/panchatantra_list.aspx

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Chambers, A. (2011) *Tell Me: Children, Reading and Talk with The Reading Environment*. Stroud: Thimble Press.

Cremin, T., Mottram, M., Collins, F., Powell, S. and Safford, K. (2009) *Teachers as Readers: Building Communities of Readers 2007-08 Executive Summary*. The United Kingdom Literacy Association. Available from: http://www.ukla.org/downloads/teachers_as_readers.pdf (accessed 18 November 2014).

Dasgupta A. (1995) *Telling Tales: Children's Literature in India*. London: Taylor and Francis.

Duursma, E., Augustyn, M., Zuckerman, B. (2008) 'Reading aloud to children: the evidence', *Archives of Disease in Childhood*, vol. 93, no. 7, pp. 554–7. Available from: http://www.reachoutandread.org/FileRepository/ReadingAloudtoChildren_ADC_July2008.pdf (accessed 18 November 2014).

Gamble, N. (2013) *Exploring Children's Literature: Reading with Pleasure and Purpose*. London: Sage Publications.

Phinn, G. (2009) *Teaching Poetry in the Primary Classroom*. Cambridge: Cambridge University Press.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्नलिखित स्त्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

संसाधन 1: *एन्युअल हेयरकट डे*, लेखक नोनी, चित्र एंजी और उपेश, © प्रथम बुक्स।
http://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/2.5/in/ के अधीन उपलब्ध कराया गया (Resource 1: *Annual Haircut Day*, written by Noni, illustrations by Angie and Upesh, © Pratham Books. Made available under http://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/2.5/in/).।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शक्षिकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।